M.D.S. COLLEGE OF EDUCATION

JHAJJAR ROAD, KOSLI (Rewari)

CRITICAL UNDERSTANDING OF ICT

Project

Name: Seema Yadav Class: B.Ed. IV year

Roll No. 15 University Roll No. .....

INDEX

Name : SEEMA YADAV Roll No. 15 University Roll No. 4115358

Title : Critical Understanding of I.C.T.

Checked

Joystick

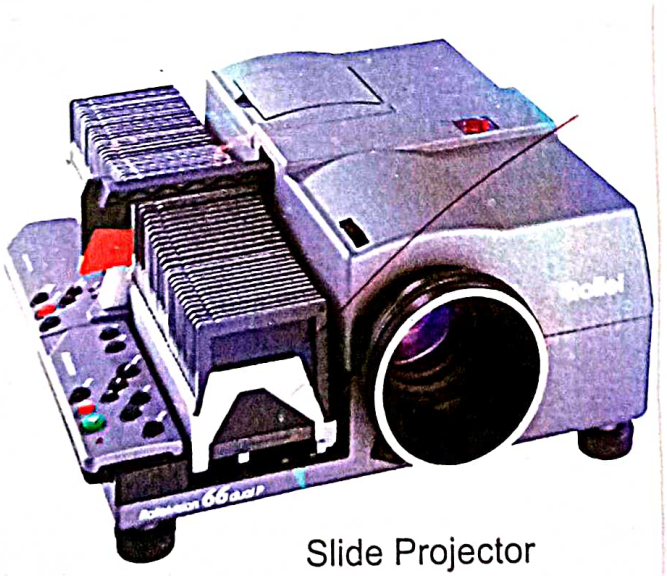

Slide Projector

ICT :→ Information Communication Technology

भूमिका :→

आज हम जिस ज्ञान पर आधारित समाज तथा ज्ञानयुक्त दुनिया में रह रहे हैं। वहाँ ज्ञान व्यक्ति विशेष के लिए ऊर्जा, पूंजी, ताकत तथा राष्ट्र के लिए अपार संपदा है। आज हमें ज्ञान ग्रहण करने की ही नहीं बल्कि ज्ञान प्राप्त करने के ढ़ंग को भी सीखना जरूरी है।

अर्थ :→

I.C.T. से अभिप्राय औजारों, उपकरणों तथा अनुप्रयोगी आधार से युक्त एक ऐसी तकनीक है जो संग्रहण, भण्डारण, पुनः प्रस्तुतीकरण आदि के विश्वसनीय एवं यथार्थ संपादन में सहायता सिद्ध होते हुए अयोगकर्ता को अपना

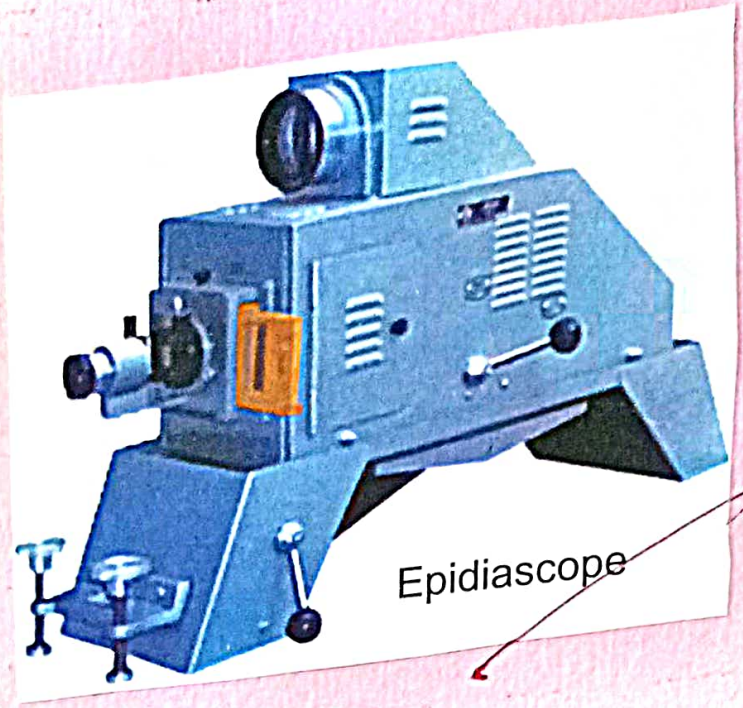

Epidiascope

VCR

VCR

ज्ञान बढ़ाने तथा उसकी समस्या समाधान योग्यता में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होती है।

सूचना और संप्रेषण तकनीकी की उपयोगिता एवं लाभ :-

i) विद्यार्थियों के लिए उपयोगी :- सूचना एवं संप्रेषण का उपयोग विद्यार्थियों को सूचना एवं संप्रेषण उन्हें ठीक करके संग्रहित करने, व्यवस्थित कर भविष्य में आवश्यकतानुसार उपयोग में लाने का उचित अवसर मिलता है।

2) शिक्षकों के लिए उपयोगी :- I.C.T. के शिक्षकों को अपने दायित्व को निभाने हेतु विभिन्न प्रकार से सहायता कर सकती है। विभिन्न प्रकार से सूचना स्त्रोतों को जानना, उनमें आवश्यकता सूचनाएँ के कार्य में सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी भली - भाँति सहायता दे सकती है।

3) मार्गदर्शन करने वालों के लिए उपयोगी :- निर्देशन

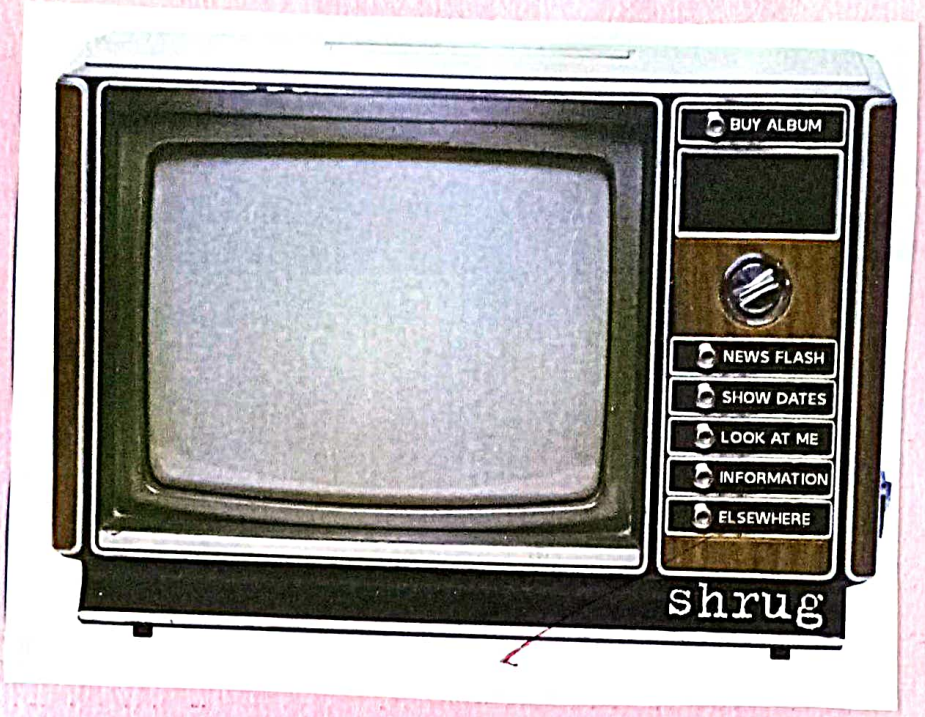
BUY ALBUM
NEWS FLASH
SHOW DATES
LOOK AT ME
INFORMATION
ELSEWHERE
shrug

एवं परामर्श सेवाओं के संचालन में चाहे वह विद्यालय परिसर में हो अथवा अन्य संस्थाओं द्वारा समुदाय में चलाई जाएँ। सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी का प्रयोग इसमें किया जा सकता है।

5) शैक्षिक नियोजनकर्ता और प्रशासकों के लिए उपयोगी :→

शैक्षिक कार्यक्रम नियोजन और शैक्षिक गतिविधियों के ठीक प्रकार प्रबंधन के लिए भी सूचना एवं संप्रेषण का सहयोग विभिन्न प्रकार के मूल्यांकन सिद्ध हो सकता है।

इस प्रकार I.C.T. बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते है। यह मानव के जीवन को सरल बनाती है।

DVD Writer

Radio + Tape Recorder

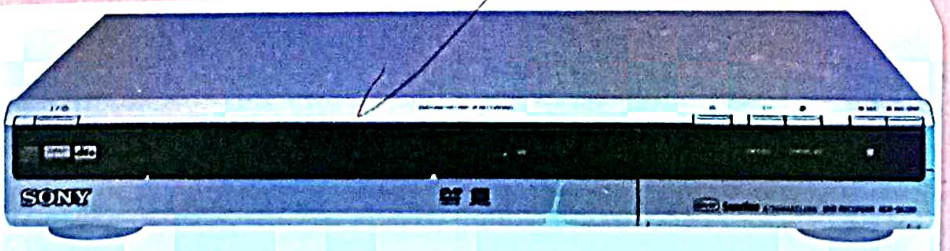

DVD Player

कंप्यूटर के आधारभूत तत्वों के परिचय :-

कंप्यूटर एक साधन है जिसका प्रयोग लोग अपना लक्ष्य पाने के लिए करते है। इसका प्रयोग किसी भी दूसरे साधनों की तरह किया जाता है जैसे कि कील ठोकने के लिए हथौड़ी का प्रोग किया जाता है। कंप्यूटर एक स्विचों से भरा बक्सा है। इन स्विचों के दो ही स्थिति सम्भव है। ऑन या ऑफ इसलिए इसको "टू स्टेट इलेक्ट्रानिक डिवाइस" भी कहा जाता है।

ज्यादातर लोग यह मानकर चलते है कि कंप्यूटर बुद्धिमान होते है जो कि सत्य नहीं है। इसलिए अगर कंप्यूटर कभी गलती करता है तो वह कंप्यूटर चलाने वाले या इसके साफ्टवेयर चलाने वाले या इसका साफ्टवेयर बनाने वाले की गलती होती है।

कंप्यूटर आज के युग में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान देता है।

Tape Recorder

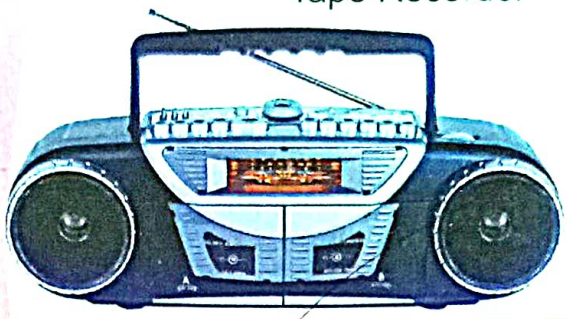

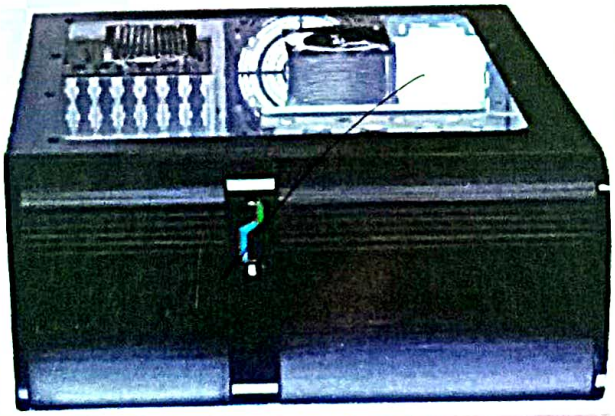

कंप्यूटर की परिभाषा :→

कंप्यूटर एक विद्युत संयंत्र है। जो हमारे द्वारा दिए गए आंकड़े को ग्रहण करता है। हमारे द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार उस समय कुछ कार्य करता है। तथा हमें प्रमाण प्रदान करता है।

कंप्यूटर की विशेषताएँ :→

सभी कंप्यूटरों में कई भी आकार क्यों न हो निम्नलिखित विशेषताएँ होती है। आज का युग ज्यादातर काम कंप्यूटर से ही करता है, जैसे ऑनलाईन फॉर्म भरना, ऑनलाईन टैक्स देना, सेल खिर करवाना, बुकिंग करना, पैसों का लेन - देन करना, आदि।

गति :→

कंप्यूटर बहुत ही तीव्र गति से काम करते है। और वे बहुत से आदेशों का पालन करते है। ये पालन केवल कुछ सेकेण्ड में किया जाता है।

श्रमशीलता :→

कंप्यूटर श्रमशीलता होते है क्योंकि वे

Walkman

थकते नहीं और एक ही काम को कितनी ही बार दोहराया जा सकता है। कंप्यूटर बड़ी जल्दी से काम करता है।

शुद्धता :-

कंप्यूटर हमेशा सही सूचना देता है। अगर आपने सही अनुदेश दिए है तो कंप्यूटर सही सूचना देगा। कंप्यूटर इस मामले में विश्वसनीय है।

बहुमुखी :-

कंप्यूटर बहुत ही बहुमुखी होते है। क्योंकि यह कई काम उतनी ही क्षमता से कर सकते है।

संग्रह :-

कंप्यूटर बहुत सारी सूचनाएँ संग्रहित कर सकता है। यह कंप्यूटर की मूल - भूत विशेषता है। यह अनगिनत सूचनाओं को संग्रह कर सकता है।

एक बार कम्प्यूटर में डाली गई सूचना तब तक हटाई नहीं जा सकती जब तक जानबूझकर या गलती से हम उसे खुद न हटा दे।


Laptop


Hardisk

कंप्यूटर का प्रयोग :→

कंप्यूटर का प्रयोग समाज के सभी क्षेत्रों में होता है। कंप्यूटर का प्रयोग विद्यालय, सरकारी संस्थानों, कॉलेज, दुकान, ऑफिस आदि जगहों पर होता है। ऐसी कोई जगह नहीं है जहाँ कंप्यूटर का प्रयोग नहीं किया जाता है। बैंक में, हास्पिटलों में भी इसका प्रयोग किया जाता है।

वाणिज्य बैंक :→

बैंकों में भी कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाता है। इसके कारण ही व्यवस्था बनी रहती है। कंप्यूटर से ही खातों में कितने रूपए है, ये पता चलता है और रूपए निकाले जाते है। अगर कंप्यूटर नहीं होता तो कंप्यूटर के बिना व्यवस्था पूरी खराब हो जाती और लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ता।

* हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर :→

हार्डवेयर :→

यह एक कंप्यूटर प्रणाली का एक हिस्सा है जिसे आप अपनी आँखों से देख सकते है तथा हाथों के द्वारा छुआ जा सकता है।


Webcam
Main Television
5.1 & 7.1 Surround sound speakers
Network Media Adapter
Standard or HD Television
Wireless Keyboard
Home PC
Gigabit Wifi Router
Home Theater PC
Programmable Universal Remote Control
OTA Antenna
Cable / Sat receiver
Camcorder
Personal Laptop
Network Hardrive (Remotely accessable)
DVD Jukebox (holds 200 DVD's)

पेरीफेरल :→

हार्डवेयर का वह भाग होता है जो कंप्यूटर से सलग्न होता है।

जैसे :→

प्रिन्टर, स्पीकर, माउस इत्यादि।

सॉफ्टवेयर :→

यह इलेक्ट्रानिक अनुदेशों का वह समूह होता है जो कंप्यूटर को यह बताते है कि क्या करना है। लेकिन कंप्यूटर सॉफ्टवेयर निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किए जा सकते है।

i) ऑपरेटिंग सॉफ्टवेयर

2) यूजर प्रोग्राम

3) एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर

i) ऑपरेटिंग सॉफ्टवेयर :→

कंप्यूटर की संपूर्ण गतिविधियों को नियंत्रित करता है।
अधिकांश नए कंप्यूटर विंडोज ऑपरेटिंग सॉफ्टवेयर के साथ आते है।

2) यूजर - प्रोग्राम :→

उपयोग कर्ताओं या प्रोग्रामरों द्वारा अपने लिए या अपने संगठन के लिए लिखे जाते है। यह प्रोग्राम जो किसी ऑफिस को कर्मचारियों कि एटेन्डेन्स का रिकॉर्ड रखे।

3) एपलीकेशन सॉफ्टवेयर :→

आपको विशेष कार्य जैसे कार्यालय दस्तावेज बनाना और पेरोल प्रोसेस आदि पूरा करने देता है।

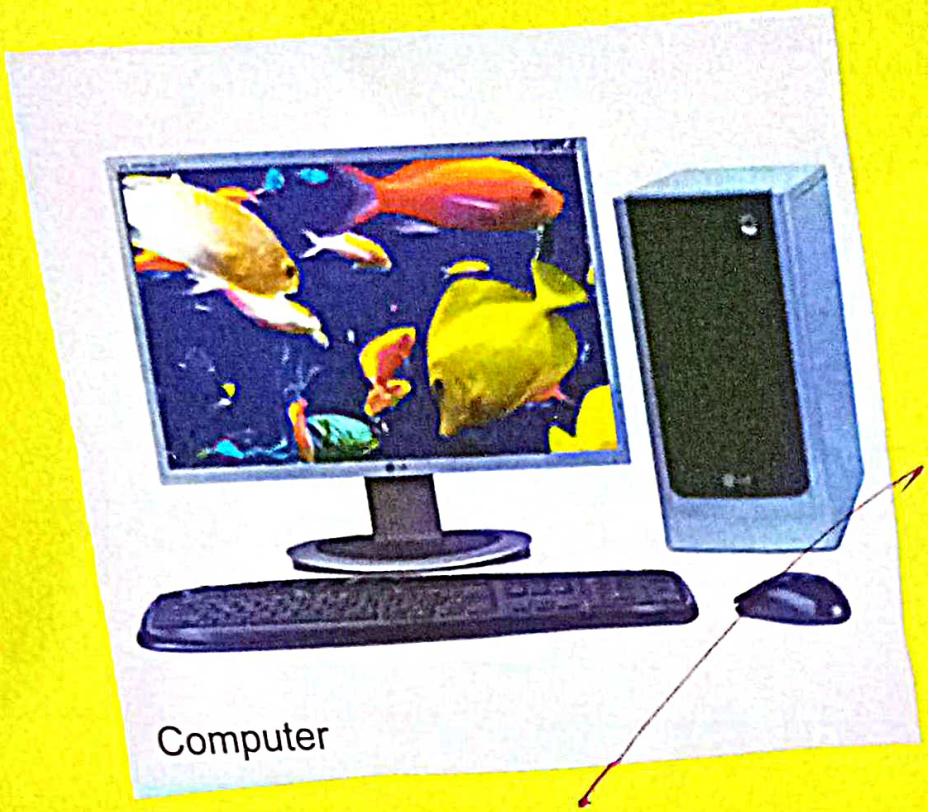

Computer

Keyboard

कंप्यूटर के घटक :→

कंप्यूटर हार्डवेयर आपके पूरे कंप्यूटर को बनाने के लिए प्रयुक्त उपकरणों से बना होता है। इन हिस्सों में शामिल होती है :→

1) सेन्ट्रल प्रोसेसिंग
2) माउस
3) यूनिट
4) स्पीकर
5) की - बोर्ड
6) मोडेम
7) मॉनीटर
8) प्रिन्टर

इनपुट डिवाइस :→

डिवाइसेस जिनका प्रयोग कंप्यूटर को सूचना देने के लिए किया जाता है, उन्हें इनपुट डिवाइस कहा जाता है।
जैसे :→ की - बोर्ड, माउस, स्कैनर आदि।
ये डिवाइसेस आम - जिन्दगी में भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

की - बोर्ड :→

की - बोर्ड इनपुट डिवाइस है।

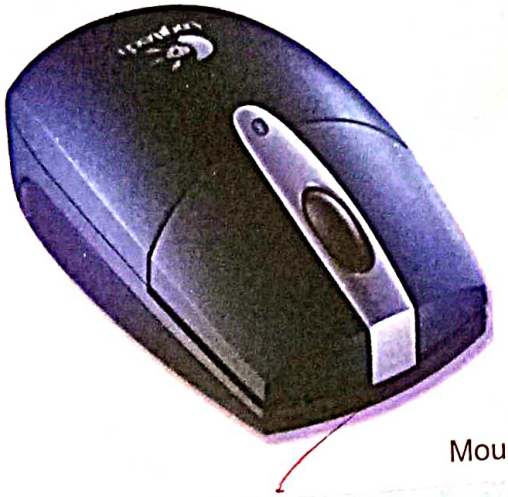

Mouse

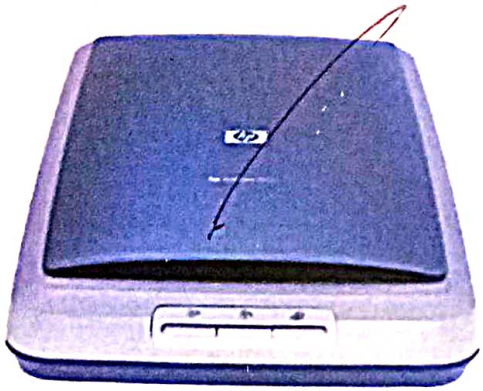

Scanner

जो कंप्यूटर में आँकड़ों को प्रविष्ट करने में प्रयोग किया जाता है।

माउस :→

माउस एक इनपुट डिवाइस है। यह सामान्य तौर पर स्क्रीन पर कर्सर को घूमाने वाले या कुछ विकल्पों में चुनने में प्रयुक्त होता है।

आउटपुट डिवाइस :→

डिवाइसस जो सूचना दिखाता है तथा डेटा बढ़ाता है, उन्हें आउटपुट डिवाइस कहा जा सकता है।
जैसे :→ मॉनीटर, प्रींटर, स्पीकर आदि।

मॉनीटर :→

मॉनीटर के सामने वाला भाग स्क्रीन कहलाता है। जिससे एक कैथोड़ - रे - ट्यूब जुड़ी होती है। मॉनीटर पर हमें जो सूचना चाहिए उसे देख सकते है तथा पढ़ सकते है। जो भी चीज सर्च की जाती है, वह भी हमें मॉनीटर पर ही देखने को मिलती है। हम कोई फिल्म, नाटक आदि भी मॉनीटर के द्वारा ही देख सकते है।

Speaker

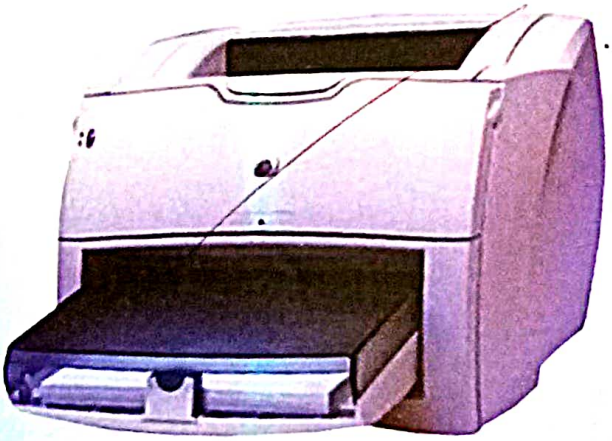

Laser Printer

Injet Printer

स्पीकर :→

स्पीकर एक आउटपुट डिवाइस है। जिसका प्रयोग ध्वनि के रूप में परिणाम देने के लिए किया जाता है। जिसे कोई भी सुन सकता है। फिल्म, नाटक या कोई संगीत संबंधी अगर हमें सुनना है तो कंप्यूटर के साथ स्पीकर का प्रयोग करना पड़ेगा। इसी से ही हमें ध्वनि सुनाई देगी।

प्रिन्टर :→

प्रिन्टर भी एक आउटपुट डिवाइस है। यह प्रिंटेड प्रति के रूप में परिणाम देता है। इसका प्रयोग किसी भी दस्तावेज की फोटोकॉपी करने में किया जाता है। इसमें स्याही का भी प्रयोग होता है।

मोडेम :→

मोडेम मोडुलेटर डिमोडुलेटर के लिए प्रयुक्त होता है। यह दूरभाषीय संकेतों को विद्युत संकेतों में बदलता है, और इसे उल्टा भी करता है।

अतः यह इनपुट और आउटपुट दोनों प्रकार की युनिट है।

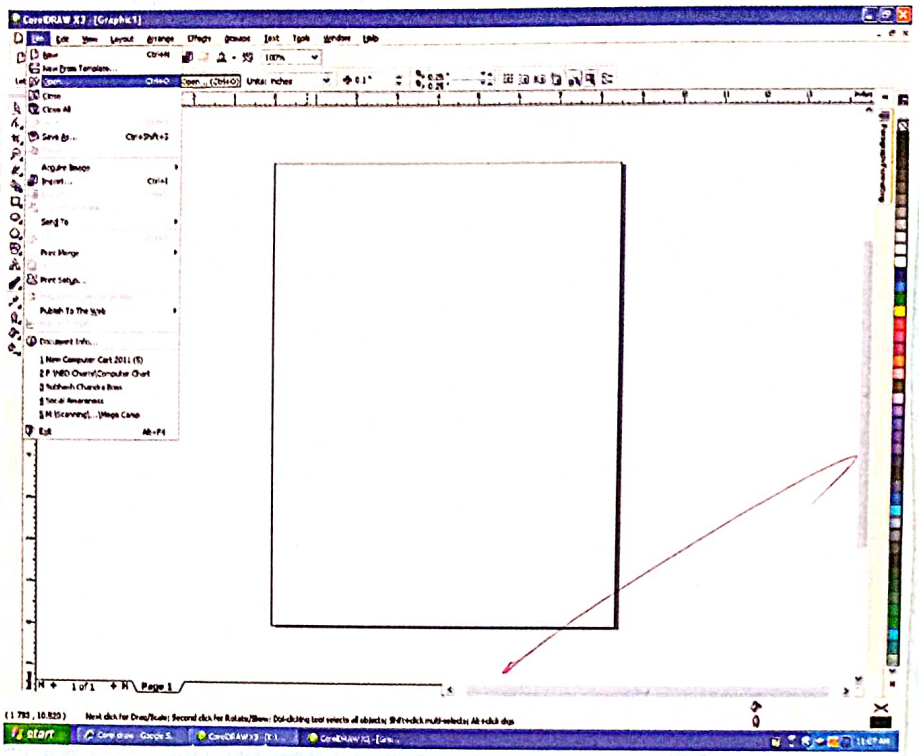
CorelDRAW X3 : [Graphic1]
File Edit View Layout Arrange Effects Bitmaps Text Tools Window Help
Page 1

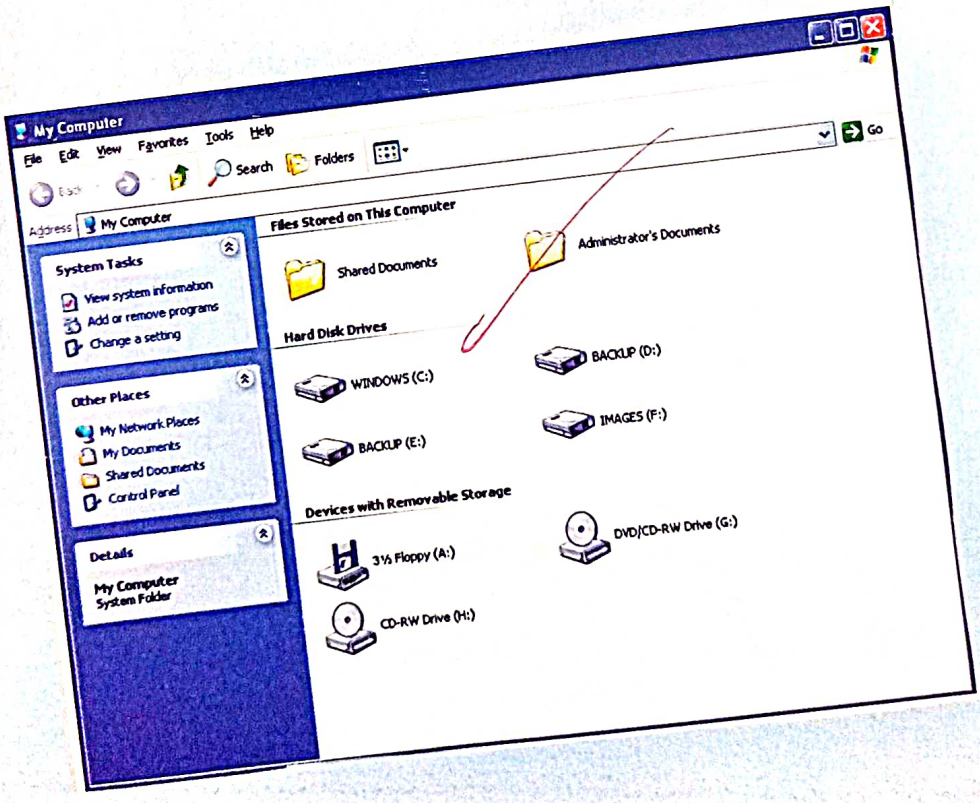
My Computer
File Edit View Favorites Tools Help
Back Search Folders
Address My Computer
Go
System Tasks
View system information
Add or remove programs
Change a setting
Other Places
My Network Places
My Documents
Shared Documents
Control Panel
Details
My Computer
System Folder
Files Stored on This Computer
Shared Documents
Administrator's Documents
Hard Disk Drives
WINDOWS (C:)
BACKUP (D:)
BACKUP (E:)
IMAGES (F:)
Devices with Removable Storage
3½ Floppy (A:)
DVD/CD-RW Drive (G:)
CD-RW Drive (H:)

कंप्यूटर मेमोरी :→

मेमोरी यूनिट सारे अनुदेशों आँकड़ों को अस्थायी रूप से संग्रहित करती है, फिर इसे प्राइमरी मेमोरी और सेकेण्डरी मेमोरी के रूप में दो भागों में बाँटा जाता है।

प्राइमरी मेमोरी (रैम) :→

रैंडम एक्सेस मेमोरी (RAM) एक तेज मेमोरी है। यह संचालन के समय सूचना का भण्डारण कर सकती है। यह एक अस्थायी मेमोरी है। कम्प्यूटर के ऑफ होने के बाद अगर कंप्यूटर को दोबारा चलाया जाता है, तो वह डाटा इस मेमोरी में नहीं मिलेगा।

रोम :→

रोम का अर्थ रीड ओनली मेमोरी (ROM) होता है। यहाँ निर्माण के समय ही निर्देशों को कूटबद्ध कर लिया जाता है।

इस प्रकार कंप्यूटर के बंद होने पर भी इस मेमोरी से डाटा खत्म नहीं होता है।

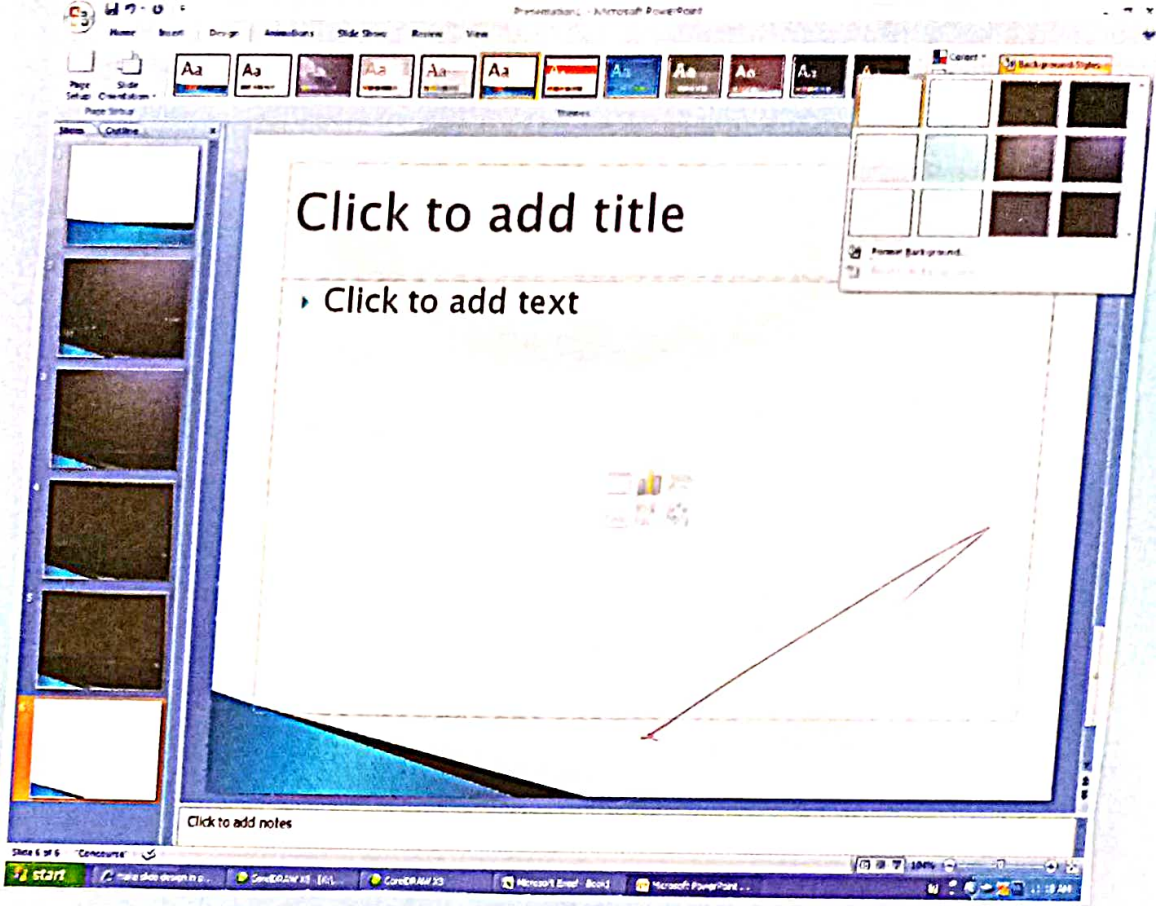
Click to add title
Click to add text
Click to add notes

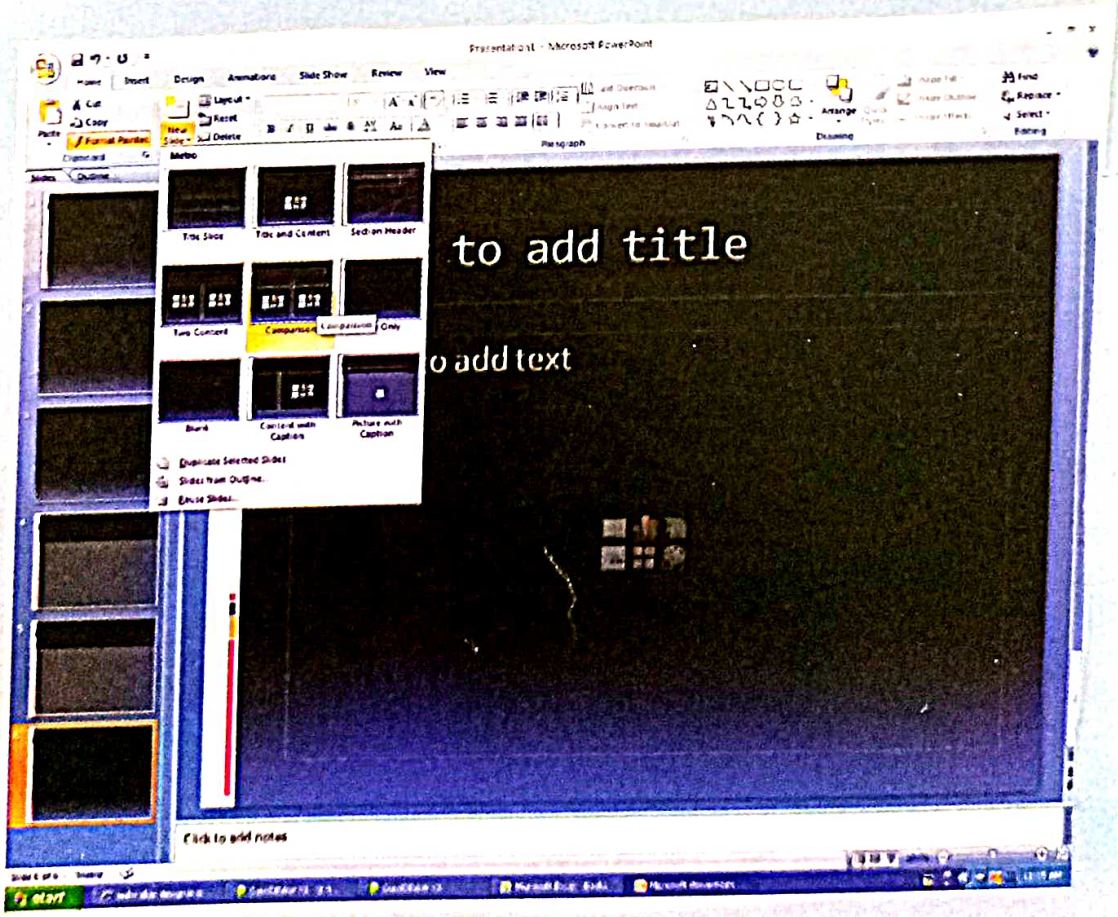
to add title
o add text
Click to add notes

सेकण्डरी मेमोरी :→

सी.पी.यू. की मेमोरी यूनिट के अलावा आँकड़ों को और भी किसी अन्य उपकरणों में संग्रहित किया जा सकता है। उन डिवाइसस को सेकण्डरी मेमोरी डिवाइसस कहा जाता है, वे इस प्रकार है :→

फ्लापी डिस्क :→

फ्लापी डिस्क आउटसाइड आक्सण के युक्त प्लास्टिक का वृताकार खण्ड होती है। व्यक्तिगत कंम्प्यूटर अधिकतर वर्गाकार प्लास्टिक खोल में बंद 3½ इंच विकर्ण वाली फ्लापी डिस्क का प्रयोग करते है। इसमें डाटा को स्टोर रखा जा सकता है, हमेशा के लिए। एक - दूसरे को डाटा लेन - देन में भी फ्लापी का आसानी से प्रयोग होता है।

हार्डडिस्क :→

हार्डडिस्क को स्थायी मीडिया के रूप में जाना जाता है। हार्डड्राइव कम्प्यूटर के अंदर रहती है।

सीडीरोम :→

एक सीडी रोम फ्लापी डिस्क के समान रिमूवेबल मीडिया के रूप में जानी जाती है।

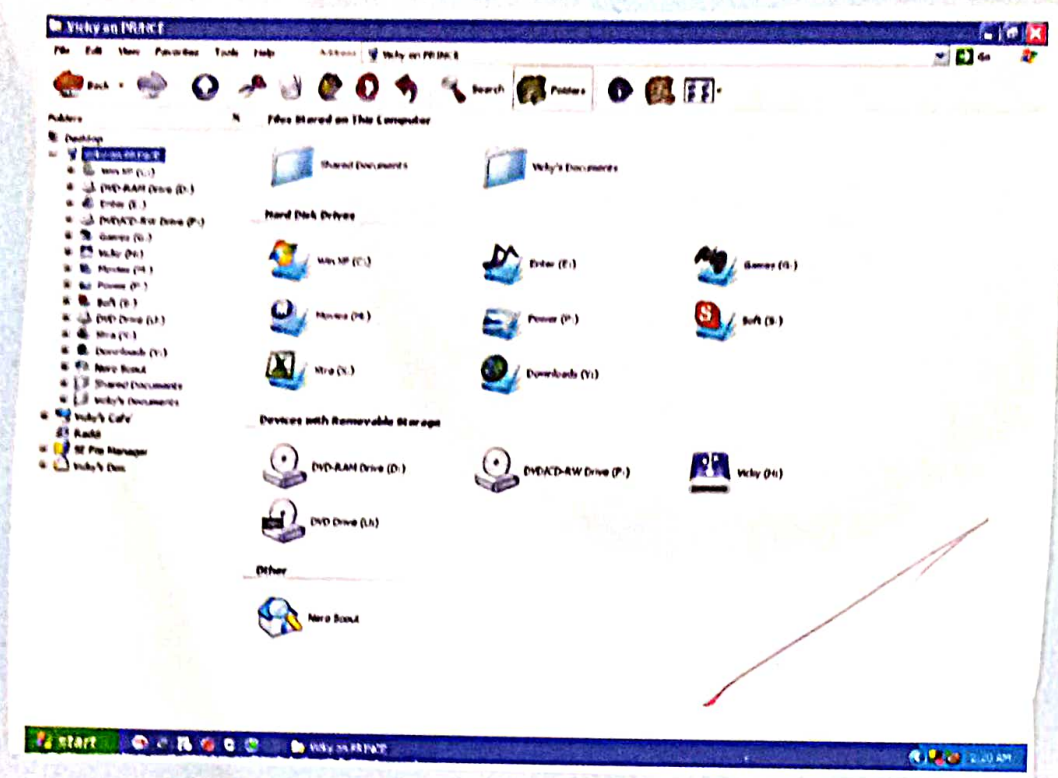
Files Stored on This Computer
Shared Documents
Vicky's Documents
Hard Disk Drives
Devices with Removable Storage
DVD-RAM Drive (D:)
DVD/CD-RW Drive (F:)
DVD Drive (J:)
Other
Nero Burn
start

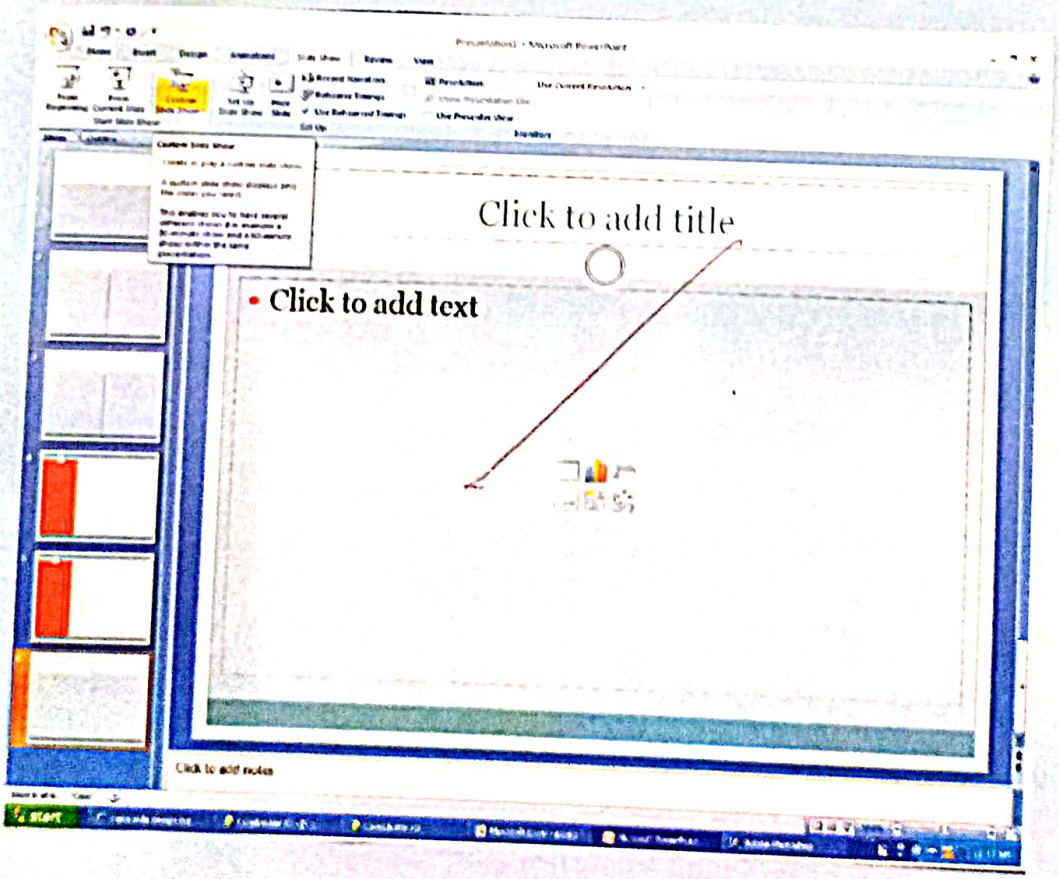
Click to add title
Click to add text
Click to add notes
start

हालाँकि डिस्क पर 144 मेगाबाईट की तुलना में सीडी पर 650 मेगाबाईट तक संग्रहित कर सकती है।

डी. वी. डी. :→

डी. वी. डी. का तात्पर्य है डीजिटल वर्सेटाईल डीस्क यह एक उच्च क्षमता वाली सी. डी. आकार की डिस्क होती है।

पेनड्राइव :→

पेन ड्राइव एक छोटी घटाई जा सकने वाली आँकड़ा संग्रहक यूनिट होती है। इसमें डेटा स्टोर कर सकते है। जिसको कंप्यूटर में लगाकर कंप्यूटर में डाला जा सकता है।

मेमोरी यूनिटस :→

बिट बाइनरी डिजिट के लिए संक्षेप एक मशीन पर सूचना की लघुतम यूनिट। इस शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 1946 में जॉन टुके के द्वारा किया गया था। वो एक अग्रणी के सलाहकार थे। एक बिट केवल दो मूल्यों से एक को धारण कर सकता है। 0 या 1 आर्थिक अर्थपूर्ण सूचना दोनों क्रमागत बिटो की बड़ी इकाईयों में समायोजन से प्राप्त होती है।

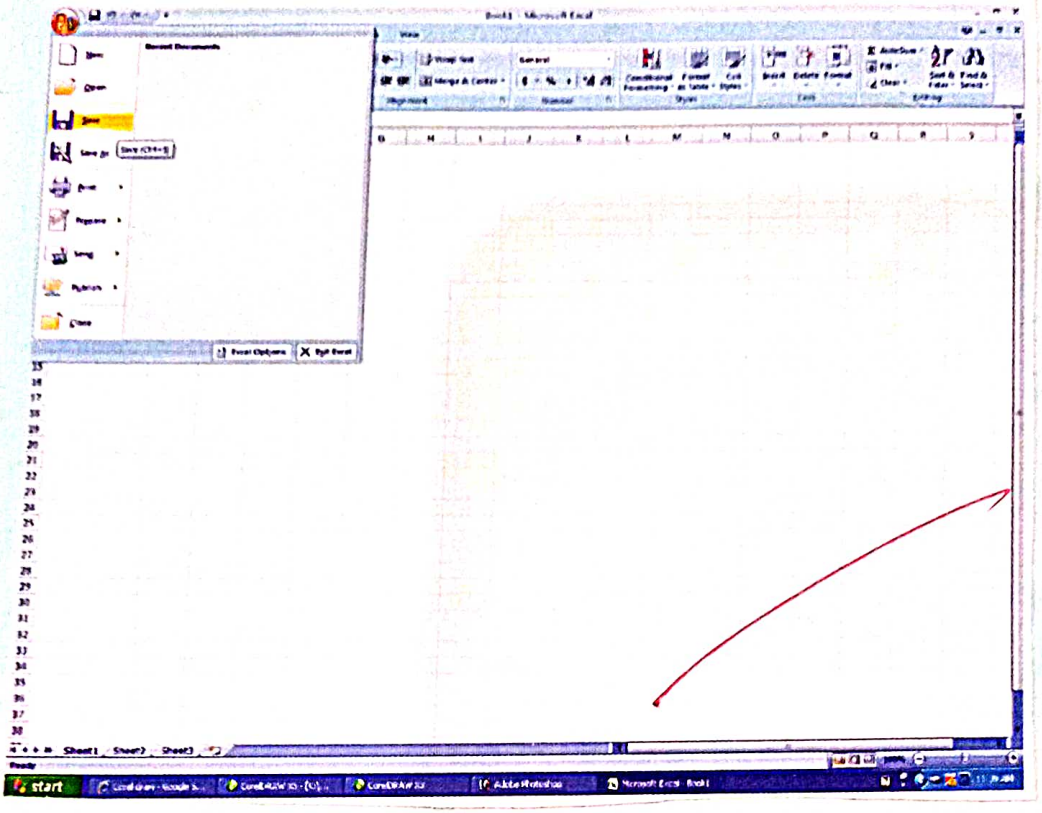

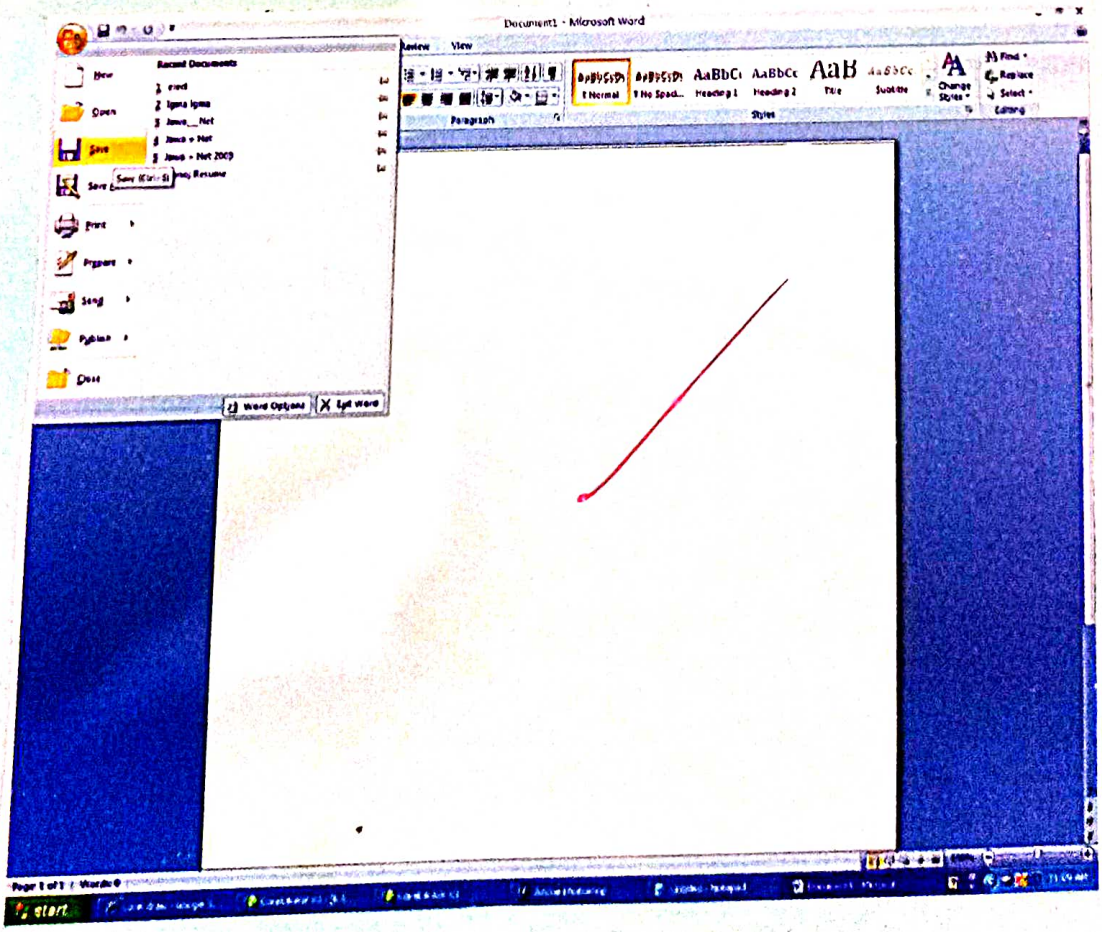
Document1 - Microsoft Word

निबल :→

एक निबल बिटों का समूह होता है। मूल रूप से आकार में भिन्न होता है फिर भी सदैव चार बिट होता है।

1 निबल = 4 बिट

बाइट :→

बाइनरी टर्म के लिए संक्षेप संग्रह की एक यूनिट जो एक चिह्न को धारण करने में समर्थ होती है। सभी आधुनिक कंप्यूटरों पर एक बाइट 8 बिट के बराबर होता है।

1 बाइट = 8 बिट

कीलोबाईट :→

दशमलव पद्धतियों में किलो का अर्थ 1000 होता है किंतु द्विमकीय पद्धतियों में किलो का अर्थ 1024 बाइट का होता है।
किंतु प्राय: इसे 1024 बाइट के पर्याय के रूप में प्रयोग किया जाता है।

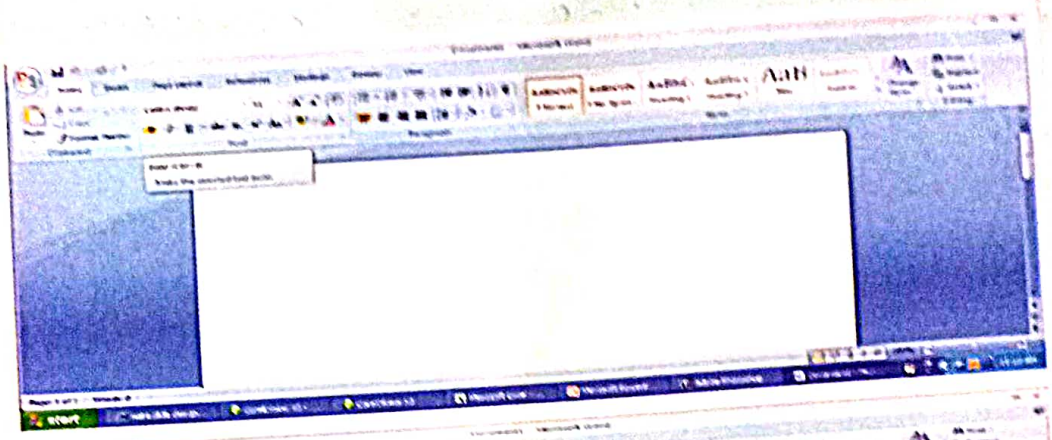

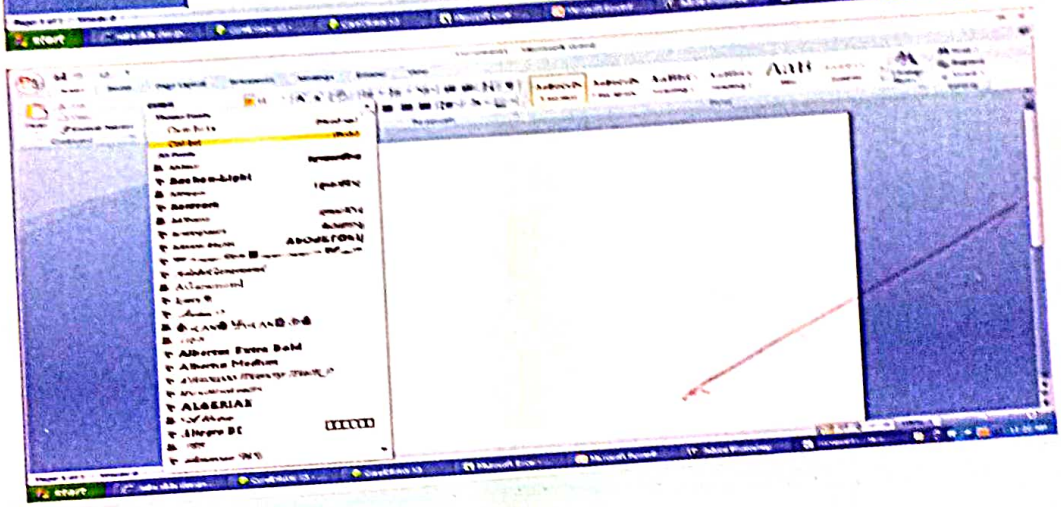

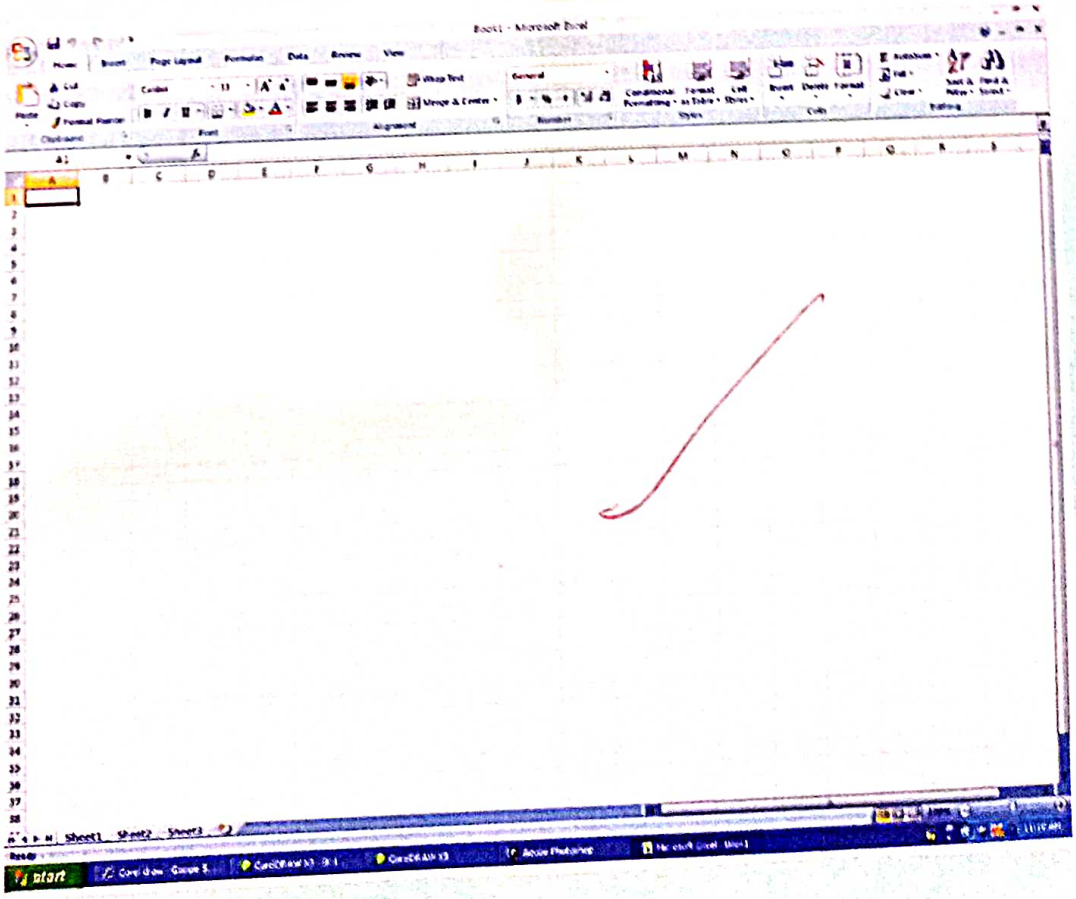

कंप्यूटरों का वर्गीकरण :→

कंप्यूटरों के आधारभूत प्रकार :→

1) **डिजिटल कंप्यूटर :→**

ये अलग - अलग इकाईयों से आँकड़ों का संग्रह करते है और अन्यथा तीव्र गति से एक तर्क और गणितीय क्रियाओं को संपन्न करते है।

2) **अनलॉग कंप्यूटर :→**

इनमें कोई स्मृति नहीं होती है और ये अपेक्षाकृत धीमें होते है। इनमें स्नुपुर अलग - अलग नहीं होता बल्कि निरंतर होता है। और इनको रेखांकित करने में होता है। यह एक प्रोग्राम का एक से अधिक सी॰पी॰यू॰ पर समर्थन करता है। उन्हें ही अनलॉग कम्प्यूटर कहते है।

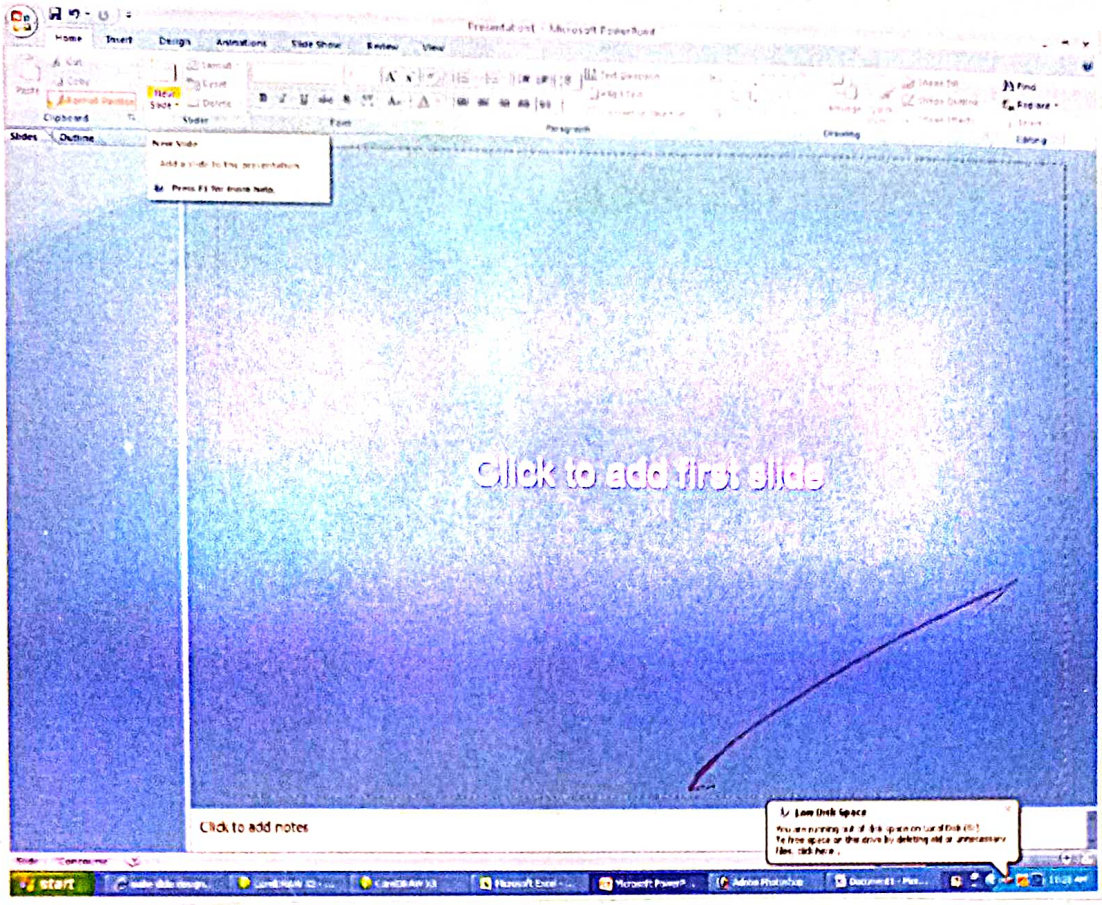
Click to add first slide
Click to add notes

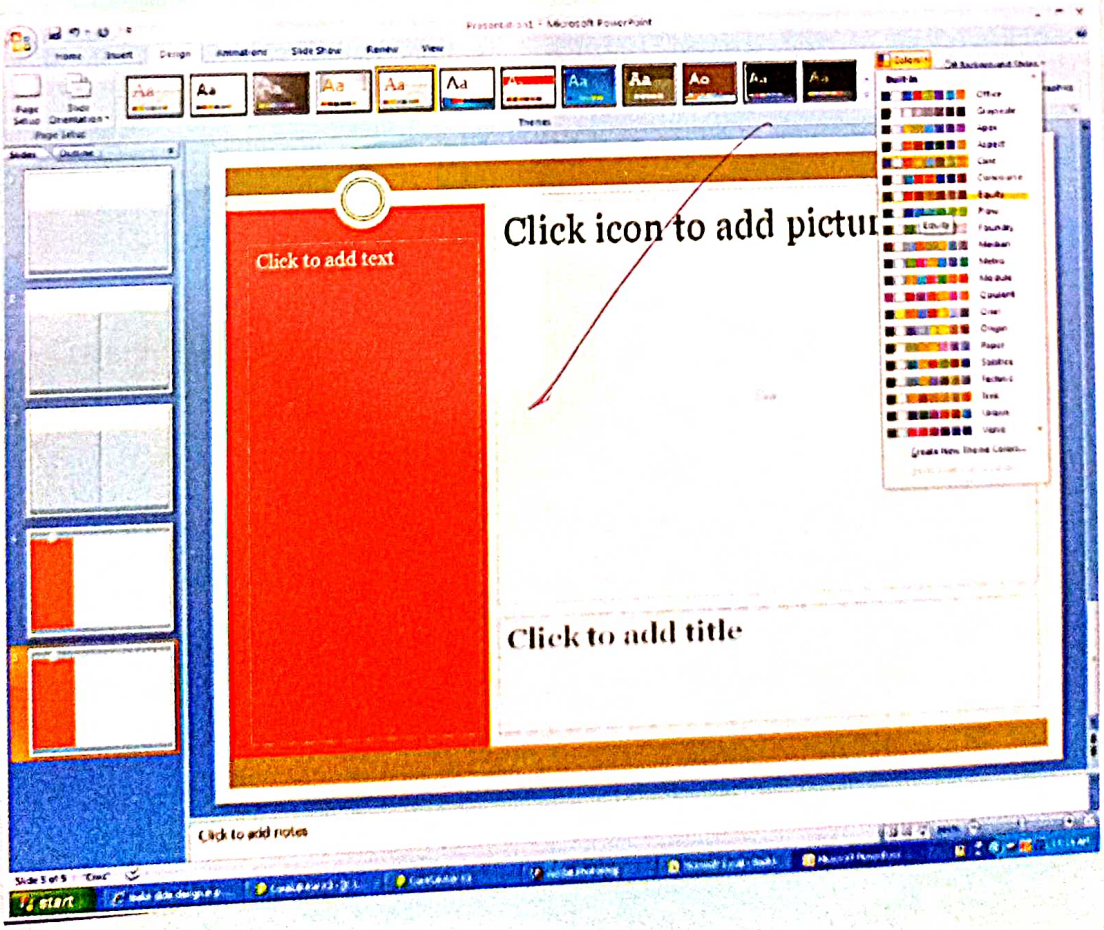
Click to add text
Click icon to add pictur
Click to add title
Click to add notes

ऑपरेटिंग सिस्टम एवं इसके कार्यक्रम :→

सबसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम जो कंप्यूटर चलाता है, प्रत्येक सामान्य उद्देश्य वाले कंप्यूटर में अन्य कार्यक्रमों के चलाने के लिए एक ऑपरेटिंग सिस्टम आवश्यक होना चाहिए।

कार्यक्रम :→

- डिस्पले स्क्रिन पर आउटपुट भेजना।
- डिस्क पर फाइलस का विवरण रखना।
- परिधीय उपकरणों जैसे डिस्क और प्रिंटर का नियंत्रण करना।

बहु - उपयोगी :→

यह दो या दो से अधिक उपयोगकर्ताओं को एक ही समय पर प्रोग्राम चलाने की सुविधा प्रदान करता है। इसलिए ये बहुत ही अधिक उपयोगी है।

What the Internet Does

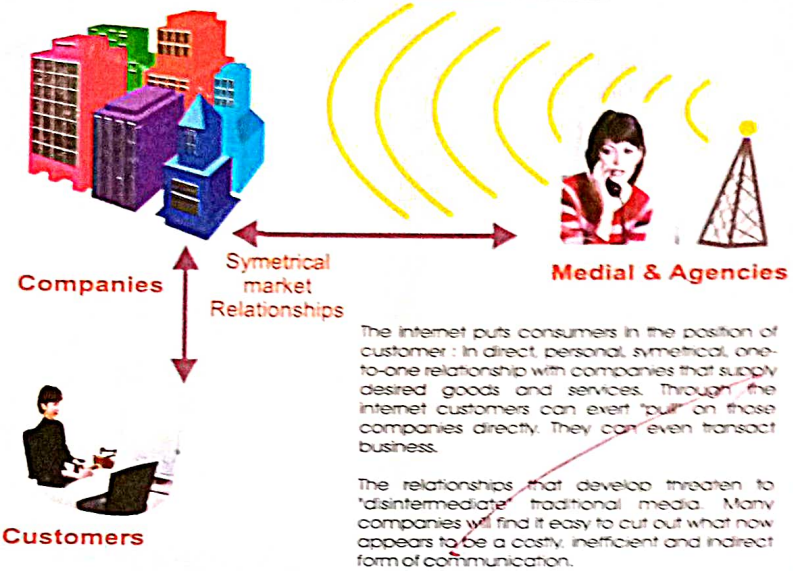

The internet puts consumers in the position of customer : In direct, personal, symetrical, one-to-one relationship with companies that supply desired goods and services. Through the internet customers can exert "pull" on those companies directly. They can even transact business.

The relationships that develop threaten to "disintermediate" traditional media. Many companies will find it easy to cut out what now appears to be a costly, inefficient and indirect form of communication.

नेटवर्किंग और इंटरनेट :→

नेटवर्किंग :→

कंप्यूटर नेटवर्क में दो या दो से अधिक कंप्यूटर आपस में जुड़े होते है। जो फाइलों और डाटा को एक्सचेंज करने अथवा इलेक्ट्रानिक संप्रेषण के उद्देश्य से जुड़े होते है।

कंप्यूटर नेटवर्क समय की बचत करता है अथवा अत्याधिक सुविधाजनक है।

नेटवर्क के फायदे :→

स्पीड :→

कंप्यूटर नेटवर्क फाइलों की शेयरिंग और अंतरण के लिए बहुत तीव्र गति प्रदान करता है। उसमे शेयर किया जाता है।

लागत :→

नेटवर्क पर संचालित होने वाले अनेक रूपों में कई लोकप्रिय साफ्टवेयर प्रोग्राम व्यक्तिगत लाइसेंस शुदा प्रतियां खरीदने की काफी कम कीमत पर मिल जाते है।

लोकल एरिया नेटवर्क :→

लोकल एरिया नेटवर्क ऐसा


http://www

नेटवर्क है जो अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्र तक होता है। यह एक सामान्य, एक भौगोलिक क्षेत्र जैसे :- ऑफिस, स्कूल अथवा बिल्डिंग तक सीमित होता है।

यदा कदा ही लोकल एरिया नेटवर्क कम्प्यूटर एक-दूसरे से एक मील से ज्यादा दूर रहते हुए भी हो सकती है।

मैट्रापॉलिन - एरिया नेटवर्क :→

मैट्रापॉलिन एरिया (MAN) नेटवर्क व्यक्तिगत अथवा सार्वजनिक नेटवर्क जो किसी महानगर की अनेक इमारत के आपस में जोड़ता है। वह मैट्रापॉलिन एरिया कहलाता है।

जैसे :→ Internet.

वाइड एरिया नेटवर्क :→

वाइड एरिया नेटवर्क (WAN) बड़े भौगोलिक क्षेत्रों जैसे लखनऊ, दिल्ली अथवा विश्व को जोड़ते है, इसे एक तरफ के नेटवर्क को जोड़ने के लिए उपग्रह का प्रयोग किया जाता है।

वाइड एरिया नेटवर्क का प्रयोग करते हुए लखनऊ के स्कूल कुछ ही मिनटों में दिल्ली जैसे स्थानों में संपर्क कर सकते है।

इंटरनेट क्या है :→

इंटरनेट विश्वव्यापी हजारों नेटवर्कों से भी बना हुआ नेटवर्क है। कोई भी यह ठीक ढंग से नहीं जानता कि सब कंप्यूटर नेटवर्क से जुड़े हुए है। हालांकि यह निश्चित है यह संख्या लाखों में है और बंद रही है। इंटरनेट के मुख्य भाग पर निजी कम्पनियों का स्वामित्व है। जिसके माध्यम से इंटरनेट यातायात प्रवाहित होता है।

इंटरनेट के लाभ :→

* संचार :→

इंटरनेट का सबसे पहला लक्ष्य सदैव से ही संचार ही रहा है। इंटरनेट ने आशाओं से बढ़कर काम किया है। इंटरनेट के आगमन के साथ हमारी पृथ्वी स्थिर हो रही है।

* सूचना :→

संभवत: सूचना वह सबसे बड़ा लाभ है जिसे इंटरनेट पेश कर रहा है। इंटरनेट सूचना का वास्तविक खजाना है। किसी भी प्रकार की सूचना इंटरनेट पर उलब्ध है। इंटरनेट पर गूगल और बहुत सी साईट है जिस पर जाकर

आप सूचना प्राप्त कर सकते है। इससे आपको घर बैठे सूचना मिल जाती है और समय की भी बचत हो जाती है।

मनोरंजन :→

मनोरंजन एक लोकप्रिय कारण है। जिसके कारण इंटरनेट पर जाना पसंद करते है। वस्तुत: मनोरंजन को विविध पक्षीय तत्वों को उपलब्ध कराने में इंटरनेट का माध्यम पर्याप्त सफल रहा है। लोगों द्वारा खोजे गए प्रयोगों में से कुछ ऐसे बहुत से खेल है।

इंटरनेट और World Wide Web में भेद :→

कई लोग इंटरनेट और वर्ल्ड वाइड वेब को एक ही मानते है। किंतु ऐसा नहीं है। इंटरनेट नेटवर्कस का एक विशाल नेटवर्क है। यह संपूर्ण विश्व के लाखों कम्प्यूटरों को एक ऐसा नेटवर्क बनाकर जोड़ता है।

इंटरनेट एक जाल की तरह काम करता है जो पूरे विश्व को जोड़ रखता है जबकि वेब साईट एक साईट है जिस पर हम कुछ शर्च करते है लेकिन वेब साईट के चलने में इंटरनेट की आवश्यकता पड़ती है।

इंटरनेट की आवश्यकताएँ :→

इंटरनेट की सुविधा के लिए आपको निम्न की आवश्यकताएँ होती है।

1) एक कंप्यूटर
2) मोडेम
3) टेलिफोन लाईन
4) सिस्टम
5) इंटरनेट कनेक्शन
6) वेब ब्राउजर

Priyadarshi